

Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 1, Petersburg 1855
 zugleich eine Bez. für *Vieh*) AK. 2, 1, 4. TRIK. 2, 1, 6. H. 940. MED. sh. 5.
 उपोन्निवर्पति पृथ्वी एषा प्रजननं यद्वाः पुण्यामेव प्रजनने ऽग्निं चिन्ते
 ऽग्निं संज्ञानं एव संज्ञानं क्षैतत्प्राणा यद्वाः TS. 5, 2, 3, 2. तस्माद्वापि तुरो
 कावपेय उवाचोपः पोषो जनमेत्रयेकति तस्माद्वाप्येतर्हि गव्यं मोमासना-
 नाः पृच्छति सन्ति तत्रोपाः इति AIR. BR. 4, 27; Vgl. CAT. BR. 5, 2, 1, 16. 7,
 1, 1, 6. 3, 1, 8. उप इवैव पित्यति 9, 3, 1, 17. 2, 1, 1, 6. रेतो वा उपाः प्रज-
 ननम् 13, 8, 1, 14. उपसिक्तं 6, 1, 1, 13. KĀTJ. CR. 4, 8, 16. 17, 1, 4. (प्रुद्धिः)
 कौशेयविकयोद्वैः M. 5, 120. सोपैरुदकगोमूत्रैः शुध्यत्याविककौशिकम्
 JĀS. 1, 186. SuCR. 1, 137, 8. 227, 8, 15. उपपुटं Salzdüte d. i. Salzstücke
 in ein Blatt gewickelt CAT. BR. 5, 2, 1, 16. KĀTJ. CR. 14, 3, 10. — b) Spalte,
 Höhle (wie diese in salzigem Boden vorkommen?). — c) Ohrhöhle. —
 d) Morgenanbruch, Morgendämmerung (ÇKDR. nach ÇABDAR. und WILS.:
 neutr.) Vgl. 1. उप. — e) das Gebirge Malaja MED. — 2) f. उषी mit
 Salz geschwängelter, unfruchtbarer Boden: उत्तमूप्याम् BHĀG. P. 1, 13, 21.
 — In der ersten und letzten Bed. wohl von उप् brennen. Vgl. उपक
 und उपाण.

उपक 1) scheint eher Salz als Pfeffer (wie HESSLER annimmt) zu be-
 deuten SuCR. 1, 140, 13. 2, 33, 4. 34, 1, 1. 99, 2. 223, 18. 331, 1. Vgl. उप 1, a.
 — 2) n. Tagesanbruch ÇABDAR. im ÇKDR. Vgl. उप 1, d.

उपाण 1) n. Pfeffer AK. 2, 9, 36. H. 419. SuCR. 2, 327, 16. त्र्युपाण n. die
 drei Pfeffer, d. i. schwarzer Pfeffer, langer Pfeffer und trockener Ingwer
 AK. 2, 9, 142. H. 422. SuCR. 1, 161, 5. 313, 1. 2, 123, 15. 323, 12. 342, 7.
 420, 2. 431, 8. 493, 16. — 2) f. उपाणा = उपाणा ÇABDAR. im ÇKDR. —
 Vgl. उपाण.

उपरं (von उप) adj. (f. मा) salzhaltig (vom Boden); subst. salziger
 Boden P. 5, 2, 107. gaṇa अस्मादि zu 4, 2, 80. AK. 2, 1, 5. 3, 4, 13, 59. TRIK.
 2, 1, 6. H. 939. तस्मात्पशव्यनूपरमित्याहुः CAT. BR. 2, 1, 1, 6. 13, 8, 1, 14.
 KĀTJ. CR. 24, 3, 16. न चोपरं न निर्दग्धा मलौ द्यात्कदा च न MBu. 13,
 334, 1. तत्र विद्या न वत्तव्या शुभं वीजमिवोपरि M. 2, 142. R. 3, 44, 3. MBu.
 13, 434, 1. मुक्ताद्वपरिदिव PĀNĀT. I, 53. अनूपरं ĀCY. GRUJ. 2, 7. GRUJA-
 SAṆG. 1, 38. 2, 34. SuCR. 1, 134, 19 (f.).

उपरत्र (उ + त्र) n. 1) Steppensalz. — 2) eine Art Magnet (रोमका-
 नामावस्कात्तमेदः) RĀG. im ÇKDR.

उपवत् (von उप) = उपर AK. 2, 1, 5. TRIK. 2, 1, 6.

उपा f. N. pr. der Gemahlin Aniruddha's HARIV. 9910. fgg. 10879.
 10883. 10908. 11023. fgg. — Vgl. उपा 4.

उल्ल schlechte Schreibung für उल्ल AK. 1, 1, 3, 19, Sch.

उष्मक = उष्मक AK. 1, 1, 3, 18, Sch.

उष्मणी (von उष्मन् adj. dampfend gaṇa पामादि zu P. 5, 2, 100.

उष्माण्य (wie eben) adj. dass.: उष्माण्यपिधानां चतूणाम् RV. 1, 162, 13.

उष्मन् m. 1) Hitze, Dampf, Ausdünstung AK. 3, 4, 19, 133. H. 1102.
 an. 2, 259 (निदाघ und उल्ल). AV. 6, 18, 3. VS. 6, 18. यद्यधोर्म उदयत एव-
 मेषामूष्मोदयते CAT. BR. 6, 2, 1, 5. 5, 3, 2, 8. अतोरेवोष्माणं वारयधात् AIR.
 BR. 2, 6. उष्मणा श्रुतः KĀTJ. CR. 15, 3, 29. उष्मा प्रकुपितः कापे MBu. 14,
 468. fg. P. 3, 1, 16. BHĀG. P. 7, 12, 23. übertr. Hitze, heftiges Wesen: नासीरं
 दर्प उष्मणि TRIK. 2, 8, 50. — 2) die heisse Jahreszeit H. an. — 3) die
 Laute श, ष, स, ह, झ, ञ, घ, ञ, अ, अ: RV. PRĀT. 1, 2. oder genauer die
 vier ersten derselben VS. PRĀT. 8, 10. AV. PRĀT. 1, 31. 2, 32. 33. H. an.

2, 259. SIDDH. K. 1, b, 16. KHĀND. UP. 2, 22, 3. BHĀG. P. 3, 12, 47. उष्मचतुर्थ
 = ह H. 239. Sch. सोष्मन् eine Aspirata RV. PRĀT. 1, 3. द्वितीयचतुर्थाः
 सोष्माणः AV. PRĀT. 1, 10, 94. KĀC. zu P. 4, 1, 50. — Vgl. उष्मन्.

उष्मप (उष्मन् + प) 1) adj. den blossen Dampf der Speisen schlürfend:
 धूमप्रशिष्टमपैः क्षीरपैश्च संतुष्टं (लित्रं) च ब्राह्मणेन्द्रैः समतात् MBu. 13, 646.
 m. pl. eine best. Klasse von Manen: गणा देवानामुष्मपाः (sic) सोमपाश्च
 137, 1. 13, 649, 5. अग्निस्वात्ताश्च पितरः पौनपाश्चोष्मपाश्च ये 2, 341. रुद्रादि-
 त्या वसवो ये च साध्या विश्वे ऽग्निना मरुतश्चोष्मपाश्च । गन्धर्वपत्न्यामुरसि-
 ष्वसपाः BHĀG. 11, 22. HARIV. LANGL. II, 290. उल्लपाः (sic) MBu. 13, 435, 2.
 — 2) m. Feuer (उष्मप) BHĀG. P. 8, 3, 16.

उष्मवत् (von उष्मन्) adj. heiss, dampfend gaṇa पामादि zu P. 5, 2, 100.

उष्माय् (wie eben), उष्मायते Hitze —, Dampf von sich geben P. 3,
 1, 16.

उष्मोपगम m. = उष्मोपगम = उल्लोपगम AK. 1, 1, 3, 19, Sch.

1. उह्, ऊँक्ति, mit praep. auch ऊँक्ते P. 1, 3, 29, VArtt. 3. Vop.
 23, 15; pot. उह्क्ते (auch उह्क्तात्), उह्क्ते; औह्क्ते; ger. उह्क्ते und उह्क्ते;
 pass. उह्क्तान; उह्क्ते und उह्क्ते (PRAB. 116, 7. SĪH. D. 329, 5). Ueber die
 Verkürzung des उ nach praep. s. P. 7, 4, 23. Vop. 23, 16. Die Grundbedeu-
 tung ist schieben, rücken, streifen. Vgl. उह्क्ते, उह्क्ते und उह्क्ते, im
 Falle उह्क्ते hierher gehört. Belegbar ist die Bed. ändern, modificiren:
 इत्युह्क्तेद्वेदेवतवह्क्तेदेवतेषु ÇĀNKH. CR. 1, 17, 19. उह्क्तेयोः (वह्क्तेयंतयो-
 ष्क्तेयोः) प्रापितयोः 11, 12, 7. Vgl. 1. उह्क्ते. Bisweilen spielen die Bedeu-
 tungen von वह्क्ते und उह्क्ते so in einander über, dass es schwer wird ei-
 nige Formen, die grammatisch zusammenfallen, mit Sicherheit an die
 rechte Stelle zu setzen.

— अति hinüberschaffen: द्रोणकलशमत्युह्क्ते KĀTJ. CR. 9, 2, 16.

— अथि 1) überziehen, überstreifen, überlegen: कृत्वाजिनम् AIR. BR. 7,
 23. यथा धुमध्यूह्क्ते अथ्यूह्क्ते किं धुरे युज्जति CAT. BR. 1, 4, 1, 13. 2, 1, 3.
 मेधां को ऽस्मिन्नथ्यूह्क्ते AV. 10, 2, 17. — 2) draufsetzen (auf ein Ande-
 res, das die Grundlage bildet), erheben über TS. 3, 5, 3, 3. तत्रमेवैतदि-
 श्यथ्यूह्क्ते CAT. BR. 3, 9, 3, 3. 1, 5, 3, 20. 8, 3, 1, 11. एतस्यां विराज्यथ्यूह्क्ते
 प्रतिष्ठितः 5, 2, 7. 13, 4, 3, 2. KĀTJ. CR. 3, 2, 25. Vgl. अथ्यूह्क्ते 1, welches
 hieher und nicht zu वह्क्ते gehört.

— अथ 1) abstreifen, zurückschieben; fortstossen, verscheuchen, entfer-
 nen: अथप शक्रस्तंतनुष्टिमह्क्ते RV. 5, 34, 3. 10, 61, 5. अथैतद्रह्क्ते (वासः)
 AV. 18, 2, 57. तनूद्रूपिमथ्यूह्क्ते 14, 1, 38. VS. 2, 15. अथोह्क्ते वहीति KĀTJ.
 CR. 2, 2, 17. 9, 3, 8. 22, 6, 21. CAT. BR. 1, 8, 3, 5. ĀCY. CR. 2, 2. KHĀND. UP.
 5, 24, 1. पादेन पत्नीकरणमथ्यूह्क्ते KAUC. 63. अथ्यूह्क्ते द्वाणवर्षतदल्लैः BHĀT.
 17, 83. तानथ्यूह्क्ते 13, 119. कस्तस्मात्तद् (दास्यम्) अथ्यूह्क्ते M. 8, 414.
 एतैर्त्रैरपेक्षुर्महापातकिना मलम् 11, 107. विद्वानथ्यूह्क्ते ÇĀK. 52. उत्तरः
 पूर्वमृतसत्रमथ्यूह्क्ते दुत्सवः ein Fest folgte auf das andre RAGH. 19, 5. अथ्यू-
 ह्क्ते विपादम् 8, 33. आयुः 44. रुजम् VIRR. 31. एतान्येनांसि — यैर्ब्रह्मैर-
 थ्यूह्क्ते M. 11, 71. किं व्याप्तं किमथ्यूह्क्ते PRAB. 116, 7. अथ्यूह्क्ते (viell.
 von वह्क्ते) P. 2, 1, 38. कल्पनाया अथ्यूह्क्ते = कल्पनाथ्यूह्क्ते: Sch. fernhalten,
 heilen (von Krankheiten) SuCR. 1, 32, 8. 72, 2. 243, 18. 2, 104, 6. 368, 15.
 — med.: एतैर्त्रैरपेक्षुर्महापातं पापम् M. 11, 102, 169. von sich fern halten, ver-
 meiden, aufgeben: सर्वात्रसानथ्यूह्क्ते कृतानं च तिलैः सह (diese soll er
 beim Verkauf vermeiden, nicht verkaufen) M. 10, 86. अनथ्यूह्क्तेस्थिति RAGH.